Impact Factor – 6.625 **E-ISSN – 2348-7143**

INTERNATIONAL RESEARCH FELLOWS ASSOCIATION'S

RESEARCH JOURNEY

International E-Research Journal

PEER REFEREED & INDEXED JOURNAL

July 2021

Special Issue 268

माध्यम लेखन में रोजगार के अवसर

विशेषांक संपादक
डॉ. पूनम बोरसे
हिंदी विभागाध्यक्ष,
महात्मा गांधी विद्यामंदिर संचालित कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय,
हरसूल, तह. त्र्यंबकेश्वर, जिला. नासिक (महाराष्ट्र)

मुख्य संपादक : डॉ. धनराज धनगर (येवला)

Our Editors have reviewed papers with experts' committee, and they have checked the papers on their level best to stop furtive literature. Except it, the respective authors of the papers are responsible for originality of the papers and intensive thoughts in the papers. Nobody can republish these papers without pre-permission of the publisher.

- Chief & Executive Editor

SWATIDHAN INTERNATIONAL PUBLICATIONS
For Details Visit To : **www.researchjourney.net**

*Cover Photo (Source) : Internet

© All rights reserved with the authors & publisher **Price : Rs. 1000/-**

Principal
Jawahar Arts, Science & Commerce College,
Andur Tal. Tuljapur Dist, Osmanabad

E-ISSN – 2348-7143

INTERNATIONAL RESEARCH FELLOWS ASSOCIATION'S

RESEARCH JOURNEY

International E-Research Journal

PEER REFEREED & INDEXED JOURNAL

July 2021

Special Issue 268

माध्यम लेखन में रोजगार के अवसर

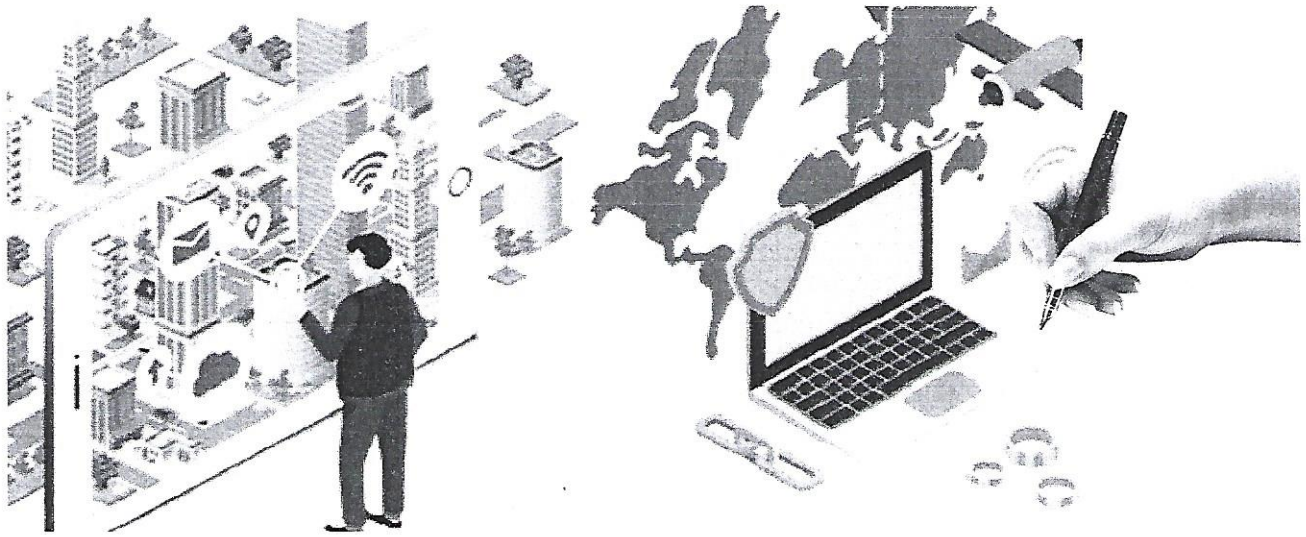

विशेषांक संपादक

डॉ. पूनम बोरसे

हिंदी विभागाध्यक्ष,

महात्मा गांधी विद्यामंदिर संचालित कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय,

हरसूल, तह. त्र्यंबकेश्वर, जिला. नासिक (महाराष्ट्र)

मुख्य संपादक : डॉ. धनराज धनगर

Principal
Jawahar Arts, Science & Commerce College,
Andur Tal. Tuljapur Dist, Osmanabad

For Details Visit To : www.researchjourney.net

SWATIDHAN PUBLICATIONS

INTERNATIONAL RESEARCH FELLOWS ASSOCIATION

INDEX

No.	Title of the Paper	Author's Name	Page No.
*	संपादकीय	डॉ. पूनम बोरसे	05
1	समाचार पत्रों में 'पृष्ठ सज्जा' की भूमिका	डॉ.जिभाऊ मोरे	06
2	फीचर लेखन की परिभाषा एवं अवधारणा	डॉ. रमा सिंह	08
3	मीडिया जगत् की नवीनतम विधा : फीचर	डॉ. अशोक मराठे	13
4	फीचर लेखन की परिभाषा और रेडियो फीचर	डॉ. निशाराणी देसाई	17
5	संचार क्रांति एवं सूचना प्रोद्योगिकी का शिक्षा के क्षेत्र में महत्त्व	डॉ. गीता परमार	20
6	नव माध्यम : कंटेंट लेखन, ब्लॉग लेखन में रोजगार के अवसर	श्रीमती ज्योति	24
7	समाचार लेखन की भाषा-शैली	डॉ. सजित खांडेकर	29
8	समाचार लेखन एवं रोजगार के अवसर	प्रा. कैलास बच्छाव	33
9	फीचर लेखन : एक कला और विज्ञान	डॉ. मल्लिनाथ बिराजदार	36
10	समाचार पत्रों के स्वामित्व, प्रबंधन और मुद्रण में रोजगार के अवसर	डॉ.योगिता हिरे	40
11	फीचर लेखन : एक अवधारणा	डॉ. बबलू कुमार	44
12	संचार क्रांती एवं सूचना प्रौद्योगिकी का भविष्य	डॉ. विजयप्रकाश शर्मा	48
13	संचार क्रांती एवं सूचना प्रौद्योगिकी का भविष्य	डॉ. तृप्ती पटेल	52
14	प्रतिवेदन लेखन के प्रकार एवं उपयोगिता	डॉ. पूनम बोरसे	56
15	अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएँ	डॉ. यशोदा मेहरा	60
16	फीचर फिल्म लेखन के सामग्री संकलन स्त्रोत	डॉ. वाल्मीक सूर्यवंशी	65
17	विरासत पर्यटन के विकास में नवसंचार माध्यमों की भूमिका	डॉ. प्रणव देव	69
18	नवसंचार माध्यमों (न्यू मीडिया) का महिलाओं के प्रति दृष्टीकोण	डॉ. अर्चना द्विवेदी	77
19	अनुवाद का व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य	डॉ. गणेश शेकोकर	83
20	फीचर लेखन की अवधारणा और रोजगार की संभावनाएँ	डॉ. पोपट बिरारी	87
21	ऑनलाइन शिक्षा में रोजगार के अवसर	रामसिया चर्मकार	90
22	नव माध्यम - ब्लॉग लेखन	डॉ. योगिता घुमरे	96
23	फिचर लेखन की परिभाषा एवं अवधारणा	डॉ. जयश्री कुमावत	99
24	माध्यम लेखन : फीचर के विभिन्न प्रकार	डॉ. एम.पी.भवर	103
25	रेडियो फीचर का महत्त्व	डॉ. रघुनाथ वाकळे	108
26	फिचर लेखन का अर्थ, परिभाषा, स्वरुप एवं अवधारणा	युवराज गातवे	111
27	जनसंचार माध्यमों का समाज पर प्रभाव	डॉ. विष्णु राठोड	114
28	फीचर लेखन - एक कला	डॉ. शैलजा जायसवाल	118
29	बैंक, ई-बैंकिंग और भाषा	प्रा. शांताराम वळवी	120
30	फीचर : परिभाषा एवं अवधारणा	प्रा. हर्षल बच्छाव, प्रो. डॉ. अनिता नेरे	126
31	फीचर लेखन : स्वरूप तथा प्रकार	प्रा.दिपाली तांबे, डॉ.शरद शिरोळे	130
32	पृष्ठसज्जा के विविध अंग	प्रा. वृषाली वडगे	134
33	फीचर लेखन की परिभाषा और प्रकार	प्रा. समाधान गांगुर्डे	137
34	संचार क्रांति एवं सूचना प्रौद्योगिकी का भविष्य	प्रा.राजेंद्र जाधव	142
35	माध्यम विधा: एक परिचय	प्रा. राकेश वळवी, प्रा. संतोष पगार	145
36	प्रतिवेदन : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्त्व	प्रो. अनिता नेरे, प्रा.अनिता राजबंशी	149

Principal
Jawahar Arts, Science & Commerce College,
Andur Tal. Tuljapur Dist, Osmanabad

फीचर लेखन : एक कला और विज्ञान

प्रा. डॉ. मल्लिनाथ बिराजदार
जवाहर कला, विज्ञान व वाणिज्य महाविद्यालय,
अणदूर, ता.तुळजापूर,जि.उस्मानाबाद.
महाराष्ट्र. पिन कोड- ४१३६०३.
मो.नं. ९८९० ४७ ३२ ०३
ईमेल – mallinathbirajdar1008@gmail.com

प्रस्तावना : –

'फीचर' लेखन एक कला और विज्ञान भी है। यह पत्रकारिता की अत्यंत आधुनिक विधा है। भले ही समाचार पत्रो में समाचार की प्रमुखता अधिक होती है लेकिन एक समाचार पत्र की प्रसिध्दी और उत्कृष्टता का आधार समाचार नहीं होता बल्कि उसमें प्रकाशित ऐसी सामग्री से होता है जिसका संबंध न केवल जीवन की परिस्थितियों और परिवेश से संबंधित होता है और वह जीवन की विवेचना भी करती हैं समाचारों के अतिरिक्त समाचार पत्रों में मुख्य रुप से जीवन की नैतिक व्याख्या के लिए संपादकीय एवं जीवनगत यथार्थ की भावात्मक अभिव्यक्ति के लिए 'फीचर ' लेखों की उपयोगिता असंदिग्ध है।

फीचर समाचार पत्रों में प्रकाशित होनेवाली किसी विशेष घटना, व्यक्ति, जीव-जन्तू , तीज-त्योहार, दिन, स्थान ,प्रकृति-परिवेश से संबंधित व्यक्तिगत अनुभूतियों पर आधारित वह विशेष आलेख होता है जो कल्पना शीलता और सृजनात्मक कौशल के साथ मनोरंजक और आकर्षक शैली में पस्तुत किया जाता है। अर्थात फीचर किसी रोचक विषय पर मनोरंजक ढंग से लिखा गया विविष्ट आलेख होता हैं डॉ.सुजाता वर्मा के शब्दों में , ''फीचर एक अत्यंत रुचिकर शैली में लिखा गया, वृत्तात्मक लेख होता है। फीचर में घटना के परिवेश, विविध प्रतिक्रिया एवं इसके दूरगामी परिणामों का संकट प्राप्त होता है। फीचर-लेखक घटना के संबंध में अपनी प्रतिक्रिया पाठकों को बताता है। तथा उनकी कल्पना शक्ति को प्रभावित करता है।''[१]

फीचर का अर्थ : –

'फीचर (Feature) : – ह्यांग्रेजी भाषा का शब्द हैं। इसकी उत्पति लैटिन भाषा के 'फैक्ट्रो' (Fectura) शब्द से हुई है। विभिन्न शब्द कोशों के अनुसार इसके लिए अनेक अर्थ है। मुख्य रुप से इसके लिए । विभिन्न शब्द कोशों के अनुसार इसके लिए अनेक अर्थ हैं मुख्य रुप से इसके के लिए। स्वरुप, आकृति, रुप रेखा, लक्षण, व्यक्तित्व आदि अर्थ प्रचलन में है ये अर्थ प्रसंग और संदर्भ के अनुसार ही प्रयोग में आते हैं। अंग्रेजी के फीचर शब्द के आधार पर ही हिंदी में भी 'फीचर' शब्द को ही स्वीकार लिया गया हैं। हिन्दी के कुछ विद्वान इसके लिए 'रुपक' शब्द का प्रयोग भी करते है। लेकिन पत्रकारिता के क्षेत्र में वर्तमान में 'फीचर' शब्द ही प्रचलन में है।

परिभाषा :-

विभिन्न विद्वानों ने 'फीचर शब्द को व्याख्यायित करने का प्रयास किया है लेकिन उसकी कोई सर्वमान्य परिभाषा नही है। फिर भी कतिपय विद्वानों की परिभाषा में कुछ एक शब्दों के फेरबदल कर देने मात्र से सभी किसी न किसी सीमा तक एक समान अर्थ की अभिव्यंजना ही करते है। 'फीचर' के संबंध में पाश्चात्य तथा भारतीय विद्वानों ने अपना विचार प्रकट किया है। कुछ इस प्रकार है।

Principal
Jawahar Arts, Science & Commerce College,
Andur Tal. Tuljapur Dist, Osmanabad

E-ISSN : 2348-7143
July- 2021

१) **डी.आर.विलयमसन** के मतानुसार, "फीचर एक ऐसा सर्जनात्मक तथा कुछ कुछ स्वानुभूमिमूलक लेख है, जिस का गठन किसी घटना, स्थिति अथवा जीवन के किसी पक्ष के संबंध में पाठक का मूलतः मनोरंजन करने और सूचना देने के उद्देश्य से किया गया है।"

२)**डॉन डंकन के अनुसार,** "फिचर जीवन के प्रति एक नवीन दृष्टिकोन दैनिक जीवन के करुणा तथा उसके नाटक और हास्य को उसके मूल से ग्रहण कर उसका चित्रण करने की विधि है। फीचर एक सैण्डविच के समान है, जिसमें दोनों ओर शक्कर की पर्त से ढकी हुई केक के टुकडे तथा मसालेदार मांस तथा आलू रहते है। "

३)**डॉ. संजीव भानावनः** – भारतीय विद्वान संजीव के अनुसार, "फीचर वस्तुतः भावानाओं का सरस, मधुर और अनुभूतिपूर्ण वर्णन है। फीचर लेखक गौण है, यह एक माध्यम है , जो फीचर द्वारा पाठकों की जिज्ञासा, उत्सुकता और उत्कंठा को शांत करता हुआ समाज की विभिन्न प्रवृत्तियों का आकलन करता है।"

डॉ.नीरज दइया के शब्दों मं, "फीचर एक सुव्यस्थित, सृजनात्मक व आत्मनिष्ठ लेखन है, जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देने , शिक्षित करने के साथ मुख्य रुप से उनका मनोरंजन करना होता है। फीचर में विस्तार की अपेक्षा होती है। एक विषय पर लिखा गया फीचर प्रस्तुति विविधता के कारण अलग अंदाज प्रस्तुत करता हैं इसमें भूत, वर्तमान तथा भविष्य का समावेश हो सकता है।"[२]

फीचर पाठक की चेतना को नहीं जगाता बल्कि वह उसकी भावनाओं और संवेदनाओं को प्रेरित करता है। यह यथार्थ की वैयक्तिक अनुभूति की अभिव्यक्ति है। इसमे लेखक पाठको का अपने अनुभव से समाज के सत्य का भावात्मक रुप में परिचय कराता है। इसमें समाचार दृश्यात्मक रुप में पाठक के सामने उभरकर आ जाता है। यह सूचनाओं को सम्प्रेषित करने का ऐसा साहित्यक रुप है जो भाव और कल्पना के रस से आप्त होकर पाठक कों भी इसमें भिगो देता है।

फीचर के गुणः– एक अच्छे फीचर में निम्न गुणों का होना आवश्यक है।

१) सरल भाषा
२) सहज रुचिकर लेखन शैली
३) घटना या विषय संबधी समस्त आवश्यक तथ्यों का समावेश
४) तथ्यों की सत्यता
५) पाठकों में जिज्ञासा और आश्चर्य का संचार
६) फीचर में समसामयिकता
७)आकर्षक शीर्षक

इस प्रकार फीचर लेखन किसी घटना का सजीव चित्रण होता है। फीचर लेखन का मुख्य कार्य पात्रों के द्वारा घटना का प्रस्तुतीकरण है। इसलिए इसकी शैली आकर्षक होनी चाहिए । ताकि एक पाठक इस कला से तन्मयता तथा एकाग्रता के साथ रुचि लेकर पढ सके। फीचर लेखन मनोरंजन के साथ सत्य, सूचना और ज्ञान भी देता है। इसलिए यहॉ पर रुचि उत्पन्न करना अति आवश्यक है।

जहॉं समाचार पत्र कई प्रकार के बंधनों से बंधा होता है। जैसे सिर्फ और सिर्फ घटना की जानकारी देना । इस प्रकार की बाधा फीचर लेखन के साथ नहीं है। फीचर लेखन आकर्षक तरीके से लिखा जाता है।

Principal
Jawahar Arts, Science & Commerce College,
Andur Tal. Tuljapur Dist, Osmanabad

फीचर लेखन समीक्षा शैली के निकट है या कहा जा सकता है कि, फीचर लेखन और समीक्षा शैली एक दूसरे के पर्याय है।

फीचर लेखक अपनी कल्पनाशक्ति, लेखन कौशल के बलपर समाचारिकता की तथ्यपरकता का ग्रहण कर पाठकों के समक्ष एक ऐसी लघुकथा को प्रस्तुत करता है जिससे पाठक प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाता जो पाठकां का मनोरंजन भी करती है, ज्ञान भी बढाती है। फीचर समाचार के सभी पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डालता है। डॉ.ह्यांबादास देशमुख के शब्दों में, ''जिस प्रकार किसी वस्तु को उसके स्वरुप से ,व्यक्ति को उसके व्यक्तित्व एवं चेहरे से पहचाना जाता है उसी प्रकार आजकल समाचार पत्र की पहचान उसमें प्रकाशित 'फीचर' से होने लगी है क्योंकि यह समाचार पत्र रुपी शरीर की आत्मा है।" [३]

फीचर की रचना और लेखन : -

फीचर लेखन पत्रकारिता की एक ऐसी विधा है जिसमें लेखन को किसीं खास सीमा में नही बंधा जा सकता. फीचर रचना का मुख्य नियम यह है कि, फीचर आकर्षक, तथ्यात्मक और मनोरंजक होना चाहिए। मोटे तौर पर फीचर लेखन के लिए पॉच मुख्य बातों का ध्यान रखा जाता है।

१) तथ्यों का संग्रह :- जिस विषय या घटना पर फीचर लिखा जाना है, उससे जुडे तथ्यों को एकत्र करना सबसे जरुरी काम है। जितनी अधिक जानकारी होगी, फीचर उतना ही उपयोगी और रोचक बनेगा।

उद्येश्य :-

फीचर लेखन का दूसरा महत्वपूर्ण बिंदू फीचर के उद्येश्य का निर्धारण है। किसी घटना या विषय पर लिखे जनोवाले फीचर का उद्येश्य तय किये बिना फीचर लेखन स्पष्ट नहीं हो सकता।

प्रस्तुतीकरण : -

फीचर लिखने के लिए यह जरुरी चीज है। मुख्य रुप से फीचर लेखन में इस बात का महत्वपूर्ण तरीके से ध्यान रखना चाहिए कि फीचर मनोरंजन के लिए हो उसे सरल और आम बोलचाल में प्रयोग किया जाता है।

शीर्षक और आमुख : -

किसी भी समाचार अथवा फीचर के लेखन के लिए उसका शीर्षक और आमुख को अच्छे तरीके से लिखा जाना चाहिए। एक अच्छा फीचर में यह खूबी होनी चाहिए कि वह न सिर्फ पाठकों को आकर्षित करने योग्य हो बल्कि जिज्ञासा और सार्थक हो।

सजा-सज्जा :-

एक अच्छे फीचर लेखन में साज-सज्जा का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। इसमें उपयोग किए जानेवाले चित्र, रेखाचित्र आदि का सही स्थान पर होना साज सज्जा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है । डॉ.अंबादास देशमुख के शब्दों में, ''फीचर लेखन में आवश्यकता नुसार फीचर लेखक को छायाचित्रों का उपयोग करना चाहिए। इससे फीचर का प्रभाव बढ जाता है। शैली की विशेषता फीचर लेखन की प्राथमिक कसौटी है।"[४]

संक्षेप में फीचर लेखन एक कला है और विज्ञान भी इसे आत्मसात कर प्रयास के बल पर एक अच्छा फीचर लेखक बनना आज आवश्यक है। क्योंकि आज भारतीय समाचार पत्रों में फीचर लेखन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। पाठकों का रुझान भी इस और बढ रहा है। वर्तमान समय में मानव जीवन के

Principal
Jawahar Arts, Science & Commerce College,
Andur Tal. Tuljapur Dist, Osmanabad

अधिकाधिक पहलुओं पर फीचर लिखा जा रहा है। इसलिए वर्तमान समय में फीचर लेखन आत्मसात करना प्रासंगिक हैं ।

संदर्भ : –

१. डॉ.वर्मा सुजाता, पत्रकारिता और न्यू मीडिया, विकास प्रकाशन, कानपूर, प्रथम संस्करण २०१६, पृ. १४४
२. डॉ.नीरज,'फीचर लेखन' पी.जी. हिंदी ब्लॉग, वर्डप्रेस, कॉम, २६ अप्रैल २०२०.
३. डॉ.देशमुख अंबादास,'प्रयोजन मूलक हिंदी : अधुनातन आयाम, शैलजा प्रकाशन, कानपुर द्वितीय संस्करण २६ जनवरी २००६ पृ.४४७
४. डॉ.देशमुख अंबादास,'प्रयोजन मूलक हिंदी : अधुनातन आयाम, शैलजा प्रकाशन, कानपुर द्वितीय संस्करण २६ जनवरी २००६ पृ.४५०.

Principal
Jawahar Arts, Science & Commerce College,
Andur Tal. Tuljapur Dist. Osmanabad